BOY		GIRL
	Model: M2	
SrNo: 101-101-102-1040 / 6578		Date: 27/01/2026
पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1998	जन्म तिथि	14/01/1999
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 12:39:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 15:46:16	जन्म समय(घटी)	33:49:00 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jaipur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:20:29	सूर्योदय	07:28:23
18:50:52	सूर्यास्त	18:04:34
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:27
वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	वृश्चिक
शनि	राशि–स्वामी	मंगल
शतभिषा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	3
धृति	योग	वृद्वि
बव	करण	गर
सू–सूरज	जन्म नामाक्षर	यी–युति
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
अश्व	योनि	मृग
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मृग

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

BOY GIRL

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 3वर्ष 8मा 8दि		12:27:03	वृश्चि	लग्न	सिंह	11:15:20	**बुध 5वर्ष 10मा 20दि**	
शनि		19:39:50	सिंह	सूर्य	मक	00:10:10	**शुक्र**	
16/05/2018		17:16:00	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	25:22:49	**05/12/2011**	
16/05/2037		16:42:27	कर्क	मंग	तुला	01:02:11	**05/12/2031**	
शनि	19/05/2021	03:18:17	सिंह	बुध	धनु	17:30:57	शुक्र	06/04/2015
बुध	27/01/2024	00:30:44	मीन व	गुरु	मीन	00:18:05	सूर्य	05/04/2016
केतु	07/03/2025	05:31:58	सिंह	शुक्र	मक	18:37:56	चंद्र	05/12/2017
शुक्र	06/05/2028	09:23:32	मेष व	शनि	मेष	03:09:47	मंग	04/02/2019
सूर्य	18/04/2029	06:44:25	सिंह व	राहु व	कर्क	29:49:59	राहु	04/02/2022
चंद्र	18/11/2030	06:44:25	कुंभ व	केतु व	मक	29:49:59	गुरु	05/10/2024
मंग	27/12/2031	15:40:40	मक व	हर्ष	मक	17:51:27	शनि	05/12/2027
राहु	02/11/2034	05:52:28	मक व	नेप	मक	07:43:20	बुध	05/10/2030
गुरु	16/05/2037	11:34:58	वृश्चि	प्लू	वृश्चि	15:43:08	केतु	05/12/2031

23:50:11 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:27

लग्न–चलित

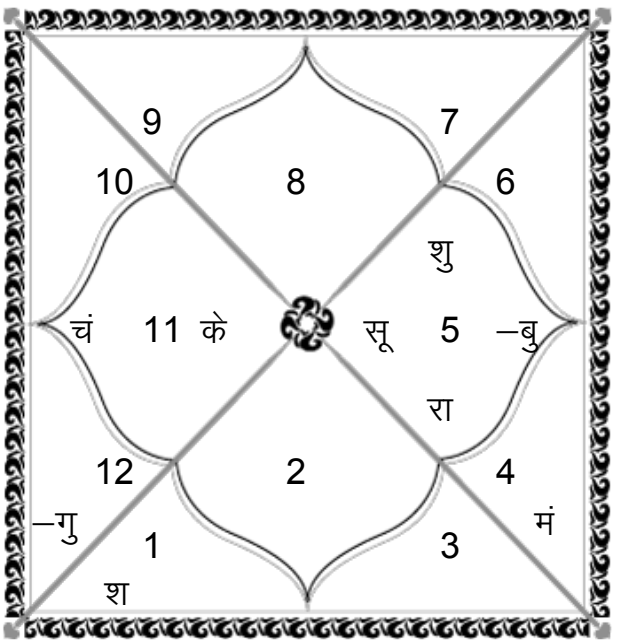

लग्न–चलित

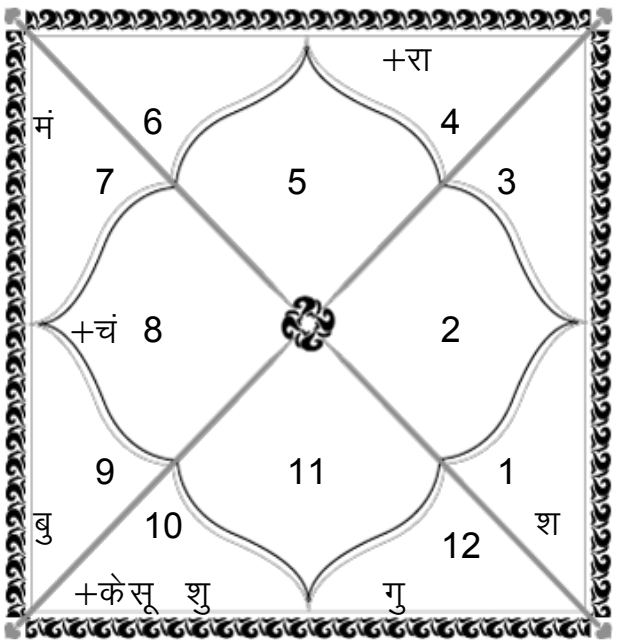

BOY

GIRL

चन्द्र कुंडली

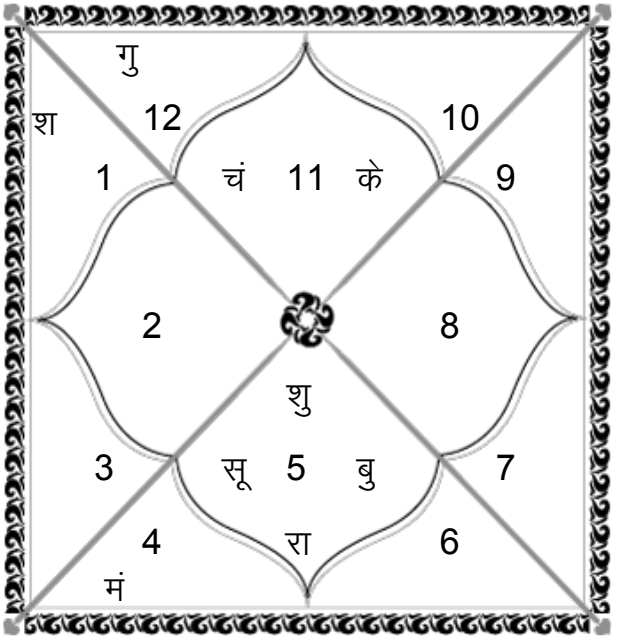

चन्द्र कुंडली

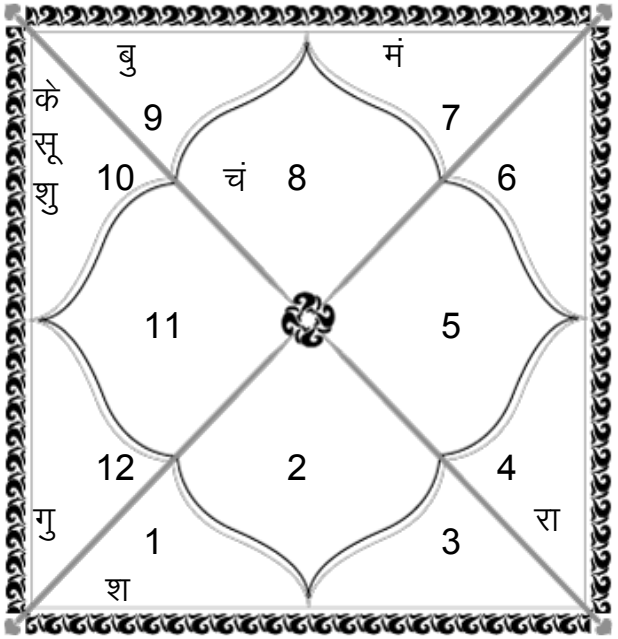

नवमांश कुंडली

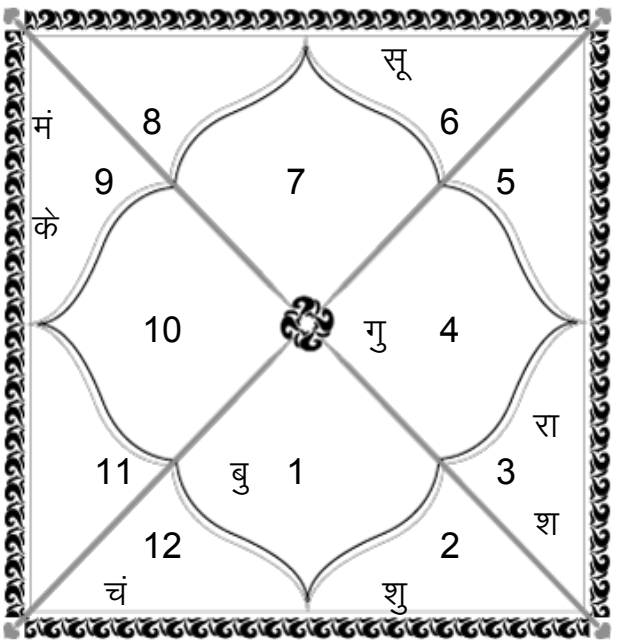

नवमांश कुंडली

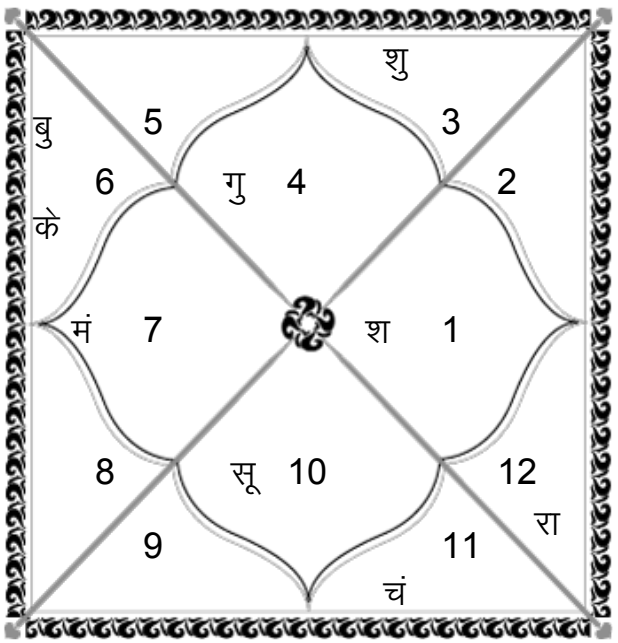

BOY GIRL

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	––	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	––	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	––	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	––	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	––	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			**36**	**19.00**		

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न–2 है।

BOY का वर्ग मेष है तथा GIRL का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार BOY और GIRL का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

BOY मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

GIRL मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

BOY तथा GIRL में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट मिलान : 19 / 36.0

BOY तथा GIRL में मंगलीक मिलान ठीक है।

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

BOY की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा GIRL की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में असमानता के कारण इनमें स्वभावगत विषमताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता नहीं होगी तथा वैवाहिक सुख भी अच्छा नहीं होगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।

BOY की जन्म राशि का स्वामी शनि तथा GIRL की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से BOY और GIRL के दाम्पत्य संबंधों में विशेष अनुकूलता नहीं होगी तथा परस्पर प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव का भी अभाव रहेगा। अतः सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग अल्प ही प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर कलह विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। अतः दाम्पत्य जीवन में सुख एवं शांति का अभाव रहेगा।

BOY और GIRL की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी। अतः एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं अपनत्व के भाव में वृद्धि होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

BOY का वश्य मानव तथा GIRL का वश्य कीट है। मानव तथा कीट की परस्पर असमानता के कारण इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों में तनाव का भाव रहेगा।

BOY का वर्ण शूद्र तथा GIRL का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमता में अंतर रहेगा। BOY की प्रवृति किसी भी कार्य को करने में रहेगी जबकि GIRL शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन संबंधी

BOY और GIRL दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

BOY और GIRL दोनों की आद्य नाड़ी है। अतः इसके प्रभाव से वे नाड़ी दोष से पीडित होंगे। यद्यपि मंगल का किसी के भी स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है तथापि इस दोष के प्रभाव से BOY और GIRL शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति कर सकते हैं। यदि ऐसी परिस्थिति में मिलान किया गया तो GIRL के प्रभाव से BOY का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसका दुष्प्रभाव BOY की अस्थियों पर विशेष होगा फलतः किसी अस्थि रोग से वे कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही पैर या घुटने पर प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थिति में मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

सन्तान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से BOY और GIRL का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त BOY और GIRL के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में GIRL के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन GIRL को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में GIRL को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से BOY और GIRL सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार BOY और GIRL का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल–सुश्री

GIRL के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी GIRL को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः GIRL को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ GIRL के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से GIRL सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो

ससुराल–श्री

BOY के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को BOY अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी BOY के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण BOY के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।